भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 368*
20 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कैंसर रोगियों के लिए आयुष चिकित्सा

*368 श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत दुनिया में तीसरा ऐसा देश है जहां कैंसर रोगियों की संख्या सबसे अधिक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने कैंसर और अन्य गैर-संचारी रोगों के उपचार के लिए आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं को विकसित करने के लिए किसी परियोजना के संबंध में सहायता प्रदान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) देश में राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार कैंसर और अन्य-संचारी रोगों से पीड़ि त ऐसे कितने रोगी हैं जिनका उपचार आयुष अस्पतालों और औषधालयों में किया जा रहा है; और
(घ) देश में दवाई की दुकानों में आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं को सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

लोक सभा में दिनांक 20 दिसंबर, 2024 को पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 368* के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

(ख): केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने औषधि विकास की व्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से आयुर्वेदिक औषधियों के विकास के लिए अनुसंधान शुरू किया है और संचारी/गैर-संचारी रोगों के लिए विभिन्न प्रकार की औषधियां विकसित की हैं (**संलग्नक-I**)। सीसीआरएएस ने "प्रथम सीरोलॉजिकल रिलैप्स पर उच्च ग्रेड सीरोस एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में कार्कटोल-एस की प्रभावकारिता, विषाक्तता और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करने के लिए चरण-II परीक्षण" शीर्षक की एक शोध परियोजना शुरू की है; और गैर-संचारी रोगों की 55 औषधियां, औषधि विकास प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-22 से आयुर्स्वास्थ्य योजना नामक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इस योजना के 02 घटक हैं, अर्थात (i) आयुष एवं जन स्वास्थ्य (पीएचआई) घटक और (ii) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में सुविधाओं का उन्नयन। उपरोक्त योजना के तहत, मंत्रालय ने कैंसर से लड़ने के लिए आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं को विकसित करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र घटक के तहत निम्नलिखित संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की है- (i) आर्य वैद्य शाला (एवीएस), कोट्टक्कल, मलप्पुरम, केरल को कैंसर अनुसंधान में सीओई की स्थापना के लिए 2.66 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है, (ii) कैंसर देखभाल के लिए आयुष चिकित्सा की खोज और विकास हेतु उत्कृष्टता केंद्र के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर, (टीएमसी) मुंबई, महाराष्ट्र को 3.62 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हैल्थ रिसर्च इन कैंसर केयर, एम्स, नागपुर में निम्नलिखित अध्ययन करने के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है-

1. ओरल प्रीमलाइननेंट लेजिंस और ओरल कैंसर के उपचार में आयुर्वेदिक सम्मिश्रणों तथा प्राकृतिक यौगिकों तथा आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकरण का पता लगाना: एक प्रायोगिक अध्ययन।
2. पारंपरिक जैव-चिकित्सा के सहायक उपचार के रूप में प्राचीन आयुर्वेदिक उपचार (सीएटी) की प्रभावकारिता: सिर-गर्दन (एचएनसी) के कैंसर रोगियों की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने का एकीकृत दृष्टिकोण।

(ग): देश में आयुष मंत्रालय के तहत अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों के आयुष अस्पतालों और औषधालयों में उपचार किए जा रहे कैंसर तथा अन्य गैर-संचारी रोगों से ग्रस्त रोगियों की संख्या के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरे **संलग्नक-II** में दिए गए हैं।

(घ): आयुर्वेद उत्पादों को प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के उत्पादों की सूची में शामिल किया गया है, जिन्हें चयनित केन्द्रों के माध्यम से किफायती दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 9 अक्टूबर, 2024 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में एक आयुष औषधि केंद्र का उद्घाटन किया गया था। आयुष मंत्रालय देश भर में अनुसंधान परिषदों के बाह्य संस्थानों, राष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध अस्पतालों और उनके अनुषंगी केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के माध्यम से ओपीडी/आईपीडी सुविधाएं चला रहा है तथा रोगियों को उपलब्धता के अनुसार आयुष दवाएं निःशुल्क वितरित कर रहा है।

*****

संलग्नक- I

स्थापना के बाद से सीसीआरएएस द्वारा विकसित कुछ महत्वपूर्ण औषधियों की सूची

क्र. सं.	औषधि का नाम	संकेत
1.	आयुष-64	(i) मलेरिया (ii) हल्के से मध्यम कोविड-19
2.	आयुष-56	मिर्गी
3.	आयुष-82	मधुमेह मेलिटस

4.	निम्बतिक्तम	सोरायसिस और डुओडेनल अल्सर
5.	आयुष पोषक योग एंड पेय	इम्यूनोमॉडुलेटरी, एंटीस्ट्रेस और सामान्य स्वास्थ्य संवर्धन
6.	शुंठी गुग्गुलू	रूमोटाइड आर्थराइटिस (अमावत)
7.	क्षारसूत्र	गुदा-मलाशय विकार
8.	आयुष बालरसायन	बच्चों में स्वास्थ्य संवर्धन
9.	आयुष घुट्टी	बच्चों में दस्त और बुखार की रोकथाम
10.	आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन्स	प्रसवपूर्व देखभाल

संलग्नक- II

वर्ष 2023-24 के दौरान ओपीडी/आईपीडी रोगी (गैर-संचारी बीमारियों के आंकड़े)						
क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	आयुर्वेद	होम्योपैथी	सिद्ध	यूनानी	कुल
1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	2979	4829	-	-	7808
2.	आंध्र प्रदेश	50817	70333	2423	-	123573
3.	अरुणाचल प्रदेश	4265	-	-	-	4265
4.	असम	27514	11865	-	-	39379
5.	बिहार	40735	12421	-	9	53165
6.	दिल्ली	161453	112492	374	1420	275739
7.	गोवा	3582	360	698	-	4640
8.	गुजरात	18202	-	-	-	18202
9.	हिमाचल प्रदेश	5715	5939	-	-	11654
10.	जम्मू और कश्मीर	29400	-	-	21172	50572
11.	झारखंड	-	5456	-	-	5456
12.	कर्नाटक	53286	-	2986	-	56272
13.	केरल	100786	114053	663	-	215502
14.	मध्य प्रदेश	38066	-	-	2584	40650
15.	महाराष्ट्र	75562	30296	-	-	105858
16.	मणिपुर	-	1839	-	-	1839
17.	मेघालय	14629	-	-	-	14629
18.	मिजोरम	-	286	-	-	286
19.	नागालैंड	7738	1235	-	-	8973
20.	ओडिशा	35822	22009	-	5893	63724
21.	पंजाब	36681	-	-	-	36681
22.	पुदुचेरी	-	24049	3495	-	27544
23.	राजस्थान	38050	32694	-	-	70744
24.	सिक्किम	11483	1599	-	-	13082
25.	तमिलनाडु	3585	10456	5692	22728	42461
26.	तेलंगाना	-	25224	-	-	25224
27.	त्रिपुरा	8694	9592	-	-	18286
28.	उत्तर प्रदेश	47382	133641	-	1336	182359
29.	उत्तराखंड	13529	-	-	-	13529
30.	पश्चिम बंगाल	35585	53497	-	-	89082
	कुल	**865540**	**684165**	**17638**	**55142**	**1621178**

वर्ष 2023-24 अवधि के दौरान विशेष कैंसर ओपीडी की कुल संख्या		
संगठन	**राज्य**	**रोगियों की संख्या**
एनआईए	राजस्थान (जयपुर)	1012
एआईआईए	दिल्ली	5639
	हरियाणा (झज्जर)	4162
एनआईएच	कोलकाता	1410
एनईआईएएच	मेघालय	27
सीसीआरएस	तमिलनाडु	2
	केरल	1
	कर्नाटक	36
	आंध्र प्रदेश	59
	पुदुचेरी	26
	नई दिल्ली	1881
	गोवा	0
कुल		14255